मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 31, मुंबई, गुरुवार, 24 फरवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल

मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने किया गिरफ्तार

छगन भुजबल बोले- मलिक को फंसाया गया

कोर्ट ने 3 मार्च तक ईडी की कस्टडी में भेजा

सरकार आज मुंबई में करेगी प्रोटेस्ट

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रवक्ता नवाब मलिक को 3 मार्च तक ईडी कस्टडी में भेज दिया गया है। उन्हें जमीन की खरीद के एक मामले में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से तार जुड़ने के चलते 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

अखिलेश ने साधा भाजपा सरकार पर निशाना

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जिस समय घबराती है इस तरह की एजेंसियों को सामने लाकर लोगों को अपमानित करती है, झूठे मुकदमे लगाकर जेल भेजती है। भाजपा के लोग कुछ भी कर सकते हैं और किसी को भी अपमानित कर सकते हैं।

नवाब मलिक की ट्विटर हैंडल से किया गया ट्वीट

नवाब मलिक को हिरासत में भेजे जाने के बाद उनके ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया गया। ट्वीट में लिखा गया, कुछ ही देर की खामोशी है फिर शोर आएगा, तुम्हारा तो सिर्फ वक्त है हमारा दौर आएगा!

शिवसेना नेता संजय राउत ने ट्वीट कर कहा कि नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं लिया जाएगा

ममता बनर्जी ने भी किया पवार को फोन, कहा- नवाब से इस्तीफा नहीं लें

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी शरद पवार को फोन किया है। सूत्रों के मुताबिक, ममता ने पवार से कहा है कि मंत्री नवाब मलिक का इस्तीफा न लें। पवार ने इस दौरान नारदा केस में गिरफ्तार मंत्रियों को हटाने के बारे में पूछा। ममता ने आगे कहा कि मैं और पार्टी इस कार्रवाई के खिलाफ आपके साथ हूं। मलिक की गिरफ्तारी के बाद टीएमसी चीफ ने विपक्षी एकजुटता की बात कही है। नवाब मलिक के भाई ने भी भी एनसीपी चीफ से मुलाकात की है। पवार ने उनसे कहा कि पूरी पार्टी नवाब मलिक के साथ खड़ी है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, 'इस्तीफा न दें नवाब मलिक लड़ते रहे....जरूर जीतेंगे।'

अरमान कोहली को बड़ा झटका

अदालत ने अंतरिम जमानत देने से किया मना

पिता की तबियत का हवाला दे मांगी थी बेल

ड्रग्स केस में हैं गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने अभिनेता अरमान कोहली को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। अरमान कोहली ने अपने बीमार माता-पिता से मिलने के लिए 14 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। अरमान को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग्स केस में पिछले साल गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह तलोजा जेल में बंद है। **(समाचार पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पूर्वी यूरोप में तनाव

युद्ध **भले ही अभी शुरू नहीं हुआ, लेकिन रूस** और यूक्रेन की सीमाओं पर तनाव उस चरम पर पहुंच चुका है कि कभी भी जंग छिड़ने की खबर आ सकती है। भले ही संयुक्त राष्ट्र और उसके बाहर इस जंग को टालने की कोशिशें लगातार जारी हैं, लेकिन यूरोप के उस पूर्वी कोने में युद्ध की आशंका को दुनिया ने एक सच की तरह स्वीकार कर लिया है। यह मान लिया गया है कि रूस किसी भी समय यूक्रेन पर हमला कर सकता है। छिटपुट झड़पें तो शुरू भी हो गई हैं। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों ने अपने-अपने नागरिकों को यूक्रेन से निकालने का काम शुरू कर दिया है। फ्रांस और जर्मनी जैसे देश अब भी बीच-बचाव की कोशिशों में लगे हैं, लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश रूस को गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दे रहे हैं। अमेरिका ने तो रूस पर पाबंदियों की घोषणा भी शुरू कर दी है। ये लगभग वही स्थितियां हैं, जो आठ साल पहले इस इलाके में बनी थीं। तब रूस ने यूक्रेन के प्रायद्वीप क्रीमिया पर हमला बोला था और उसे अपना हिस्सा बना लिया था। इसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी जमीन पर किया गया सबसे बड़ा कब्जा कहा जाता है। इस बार रूस वैसा ही कुछ यूक्रेन के दो इलाकों में करने जा रहा है। रूसी आबादी वाले इन इलाकों पर रूस समर्थक विद्रोहियों ने काफी समय से कब्जा किया हुआ है। वहां रूसी मुद्रा चलती है, वहां के लोगों के लिए रूसी पासपोर्ट जारी होते हैं। वहां के लोगों को रूस की कोविड वैक्सीन स्पूतनिक-वी भी लगाई गई है, जबकि यूक्रेन ने इस वैक्सीन का बहिष्कार कर रखा है। यानी, ये दोनों इलाके पूरी तरह से रूस के प्रभाव में ही हैं, लेकिन अब रूस ने इन इलाकों को बाकायदा मान्यता दे दी है और उसकी फौजें पूरी दुनिया के तमाम विरोध के बावजूद उस तरफ चल पड़ी हैं। रूस और यूक्रेन के इस वैमनस्य की जड़ें दोनों देशों के इतिहास में भी हैं और उस मनोविज्ञान में भी, जिसे एक लंबे अतीत के अंतर्विरोधों ने पाल-पोसकर बड़ा किया है। जब सोवियत संघ था, तब रूस और यूक्रेन एक ही राजनीतिक इकाई के हिस्से थे। सोवियत संघ के विखंडन के बाद अलग हुआ यूक्रेन अब रूस की दादागिरी से मुक्त होने के लिए अक्सर छटपटाता दिखता है। जिस तरह से उसे क्रीमिया से हाथ धोना पड़ा, उसके बाद वह एक ऐसे विश्व समीकरण से जुड़ना चाहता है, जिसमें उसके लिए रूस के खिलाफ सुरक्षा का एक आश्वासन हो। इसके लिए वह अमेरिका और पश्चिम यूरोप के सैनिक खेमे नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन, यानी नाटो का सदस्य बनना चाहता है। यूक्रेन एक खुदमुख्तार देश है और इसलिए उसे अपनी विदेश नीति, अपने राजनीतिक समीकरण तय करने का पूरा हक होना ही चाहिए। लेकिन रूस यह किसी कीमत पर नहीं होने देना चाहता, क्योंकि इसका अर्थ होगा, रूस के सबसे बड़े दुश्मन नाटो का उसके दरवाजे तक पहुंच जाना। ताजा विवाद की जड़ यहीं पर है। यूक्रेन की एक बड़ी दिक्कत यह है कि उसकी आबादी में तकरीबन 18 फीसदी लोग रूसी मूल के हैं और यह कहा जाता है कि वे सब इसके विरोधी हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल हो, लेकिन पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि रूस और यूक्रेन, दोनों ही परमाणु हथियार संपन्न देश हैं। उनका आपसी तनाव बहुत बड़ी समस्या खड़ी कर सकता है।

नमक: उफ! इतना असहाय, सस्ता हिंदू!

हे ईश्वर! हे देवी मां! हम हिंदुओं का इक्कीसवीं सदी में यह वक्त? भारत के 140 करोड़ लोगों की दीनता व निर्धनता का यह कैसा कारूणिक प्रतिनिधि वाक्य कि- मोदी ने हमें राशन दिया, उनका नमक खाई रहे हैं धोखा नहीं देंगे। एक बूढ़े दंपति के दीन-हीन चेहरे से अनाज की भिक्षा में अहसान वाली यह भावाभिव्यक्ति और फिर इसके हवाले भारत के प्रधानमंत्री का वोट मांगना! उफ! कैसा है यह देश और हिंदुओं की राजनीति! एक बूढ़ी मां का कारूणिक वाक्य क्या सवाल नहीं बनाता कि 75 साला आजादी से अमृत बना या जहर? 140 करोड़ लोगों में सवा सौ करोड़ लोग यदि पांच किलो गेहूं, दाल व पांच सौ-दो हजार रुपए के धमार्दे पर जिंदगी जी रहे हैं तो इस दीन-हीन, लावारिस भारतीय जिंदगी के हवाले नरेंद्र मोदी को नमक का प्रधानमंत्री बन कर क्या वोट मांगने चाहिए? यह भारत के प्रधानमंत्री, सत्तारूढ़ पार्टी के लिए उपलब्धि, गौरव की बात है या शर्म व रोने का सत्य? 21वीं सदी के सन 22 में एक बूढ़ी मां के 'नमक' में बंधे होने और उसके हवाले तमाम हिंदुओं को 'नमक' में बांधने की हिंदू राजनीति की ऐसी प्राप्ति क्या हिंदुओं की विश्व गुरूता, गौरव व आजादी के 75 साला सफर का 'अमृत' है? भारत की बूढ़ी मां का कहा वाक्य भारत के प्रधानमंत्री के लिए कोंटेबल बात होनी चाहिए या शर्म वाली बात?

पाठकों को पत्रकार अजित अंजुम के उस वीडियो को जरूर देखना चाहिए, जिसके एक वाक्य को पकड़ कर प्रधानमंत्री मोदी ने हरदोई, उन्नाव की जनसभा में प्रचार किया। अपना आग्रह है पूरा वीडियो देख भारत में जीवन की सच्चाई बूझें। भारत की 140 करोड़ आबादी में कई करोड़ परिवार रोटी, आटे, दवा की भीख याकि बेसिक जरूरत में ताउम्र जिंदगी काट देते हैं लेकिन हिंदुओं के एलिट-प्रभु-पढ़े-लिखे वर्ग को, राष्ट्र-राज्य को सुध नहीं है कि ऐसा 75 वर्षों से लगातार है। आम भारतीय दीन-हीन जीवन और भूख में स्थाई तौर पर जीता हुआ है। भारत में आजादी के बाद से राशन लगातार मिलता हुआ है। सन 2010 से बेहद गरीब आबादी को फ्री राशन शुरू हुआ। मोदी सरकार से पहले राशन में अनाज के अलावा चीनी और केरोसीन भी मिलता था। मनमोहन सरकार ने खाद्य सुरक्षा योजना में गरीब की राष्ट्रव्यापी अनाज गारंटी बनवाई थी। हिसाब से यह सब नहीं होना चाहिए था। यदि भारत 75 वर्षों में गरीब को स्वावलंबी, अपने बूते अपना पेट भरने का अवसर नहीं दे पाया है तो अपनी राय में यह कौम, नस्ल, राष्ट्र-राज्य की असफलता है। मैं फ्री अनाज के जन कल्याण को देश का विकास नहीं मानता हूं, बल्कि विकास की असफलता मानता हूं। पचहतर साल बाद भी यदि भारत का आम आदमी, गरीब परिवार अपने पांवों पर खड़ा नहीं है और असहाय लोगों की सामाजिक सुरक्षा महीने की पांच सौ-हजार रुपए की पेंशन से भूखे तरसाते हुए है तो यह हम हिंदुओं के लिए चुल्लू भर पानी में डूब मरने वाली बात है। तभी अपनी राय में चुनाव और राजनीति का मुद्दा यह नहीं होना चाहिए कि लोगों को क्या-क्या फ्री बंटे, बल्कि लोगों को कैसे आत्मनिर्भर-अपने पांवों पर खड़ा होने लायक बनवाने का मुद्दा होना चाहिए। लेकिन 21वीं सदी में भारत किस दिशा में बढ़ा है? मोदी सरकार ने सात सालों में क्या किया है? सिर्फ यह हल्ला बनाया कि देखो, हमने गैस सिलेंडर बांटे, फ्री राशन दिया, फ्री पांच किलो अनाज-मकान दिया, फ्री टीका लगाया आदि, आदि। फ्री-फ्री के इस भाजपाई हल्ले का परिणाम है कि अब पूरे देश में राजनीतिक पार्टियों में कंपीटिशन है कि कौन फ्री राशन, फ्री बिजली-पानी, फ्री फोन, फ्री स्कूटी, फ्री मकान, फ्री लैपटॉप, फ्री वाईफाई, फ्री यात्रा, दो पहिया वाहन चालकों को हर माह एक लीटर पेट्रोल मुफ्त आदि की मुफ्तखोरी बनवाने में अव्वल है।

हां, चुनाव 2022 में मुकाबला आजादी के 'अमृत वर्ष' में नागरिकों में भूख व भिक्षा, मुफ्त और मुफ्तखोरी बढ़वाने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी हिंदूशाही दुनिया को यह अहसास कराते हुए है कि हिंदुओं का मोल, उनकी गरिमा, उनका जीवन बहुत सस्ता है। 'नमक' जितना सस्ता। हिंदू जन 'आटे' के बदले वोट का आशीर्वाद देते हुए हैं और प्रधानमंत्री उस आशीर्वाद के हवाले उत्तर प्रदेश के घर-घर हिंदुओं से यह आशीर्वाद मांगते हुए हैं कि देखो मैंने आटा बांटा, बदले में उस बूढ़ी मां ने आशीर्वाद दिया तो वैसा ही आशीर्वाद तुम लोग भी मुझे दो। मैंने तुम्हे आटा दिया तुम मुझे वोट दो! यह है मोदी के आइडिया ऑफ इंडिया में भिक्षाम देही और लेही का हिंदू राजनीतिक दर्शन। भूल जाएं इस बात को कि अजित अंजुम के उस वीडियो में बूढ़ी मां के कहे वाक्यों में से प्रधानमंत्री ने एक ही वाक्य का इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री ने यूपी की हरदोई और उन्नाव की जनसभा में आंखों में आंसू लाते हुए बूढ़ी मां के केवल ह्यनमक खानेह्व के वाक्य का हवाला दिया और अपने को 'नमक का प्रधानमंत्री' बतलाया। जबकि बूढ़े दंपति ने प्लास्टिक की थैली में भीख में मांगा आटा, इलाज कराने-दवा लाने के लिए भीख, लड़कन के पास कुछ काम नहीं होने, प्लास्टिक पन्नी की झोपड़ी में जिंदगी गुजारने की सच्चाई भी बोली। उन सच्चाइयों को सुन प्रधानमंत्री व्यथित और रोए नहीं। बूढ़ी मां के कहे में केवल एक वाक्य ('मोदी राशन देवे' और 'उसके नमक में धोखा नहीं करेंगे') को प्रधानमंत्री ने लपका और अनजाने दुनिया को दिखलाया कि भारत राष्ट्र-राज्य में सार्वजनिक-राजनीतिक चतुराई किस स्तर पर जा पहुंची है। अपनी राय में महामारी काल में जीवन कैसा मुश्किल हुआ है, यह बूढ़े दंपत्ति के कहे का लब्बोलुआब है।

मैं नहीं मान सकता कि उन दोनों बुजुर्गों को मोदी से पहले राशन नहीं मिला। लेकिन यह सत्य संभव है कि पिछले सात सालों में आम आदमी का जीना जैसा मुश्किल हुआ है व रोजी-रोटी के अवसर जैसे खत्म हुए हैं तो उन दोनों बुजुर्गों को महीने में पच्चीस किलो राशन सचमुच डूबते को तिनके का सहारा था। उनके बेटे काम नहीं कर रहे हैं और भीख के अलावा जिंदा रहने का दूसरा तरीका नहीं तो फ्री राशन होगा ही खत्म होती सांसों के लिए प्राणवायु! तभी फ्री, फ्री के मोदी सरकार के प्रोपेगेंडा, नैरेटिव में बूढ़े कानों में यह बात पैठी कि मोदी राशन दे रहा है तो हमने नमक खाया है, धोखा नहीं देंगे। बूढ़ी मां और क्या बोलती? जिसके नाम से, जिसकी फोटो से भिक्षा बंट रही है भला उसके प्रति भोली बूढ़ी मां क्यों न अहसानमंद हो। उसे कैसे यह इतिहास याद या यह भान होगा कि कोई नेहरू गरीब को राशन बांटने की व्यवस्था बना गया था। कोई मनमोहन सिंह खाद्य सुरक्षा योजना में एक-दो रुपए किलो अनाज की गारंटी बना गया था और यदि महामारी में 80 करोड़ लोग फ्री का अनाज ले कर पेट भर रहे हैं तो ऐसा होना किसी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के चलते नहीं है, बल्कि हमारे अपने बूते है। यह राजा की मेहरबानी नहीं है, बल्कि उसका हक है, जिसका निश्चय हम सब भारतीय लोगों के सामर्थ्य और आजादी के बाद के निश्चय से है। पर एक भोली, सरल, सनातनी हिंदू मां और एक चतुर प्रधानमंत्री! देखो, देखो वह मां कह रही है उसने मेरा नमक खाया है और धोखा नहीं देगी। वह मुझे वोट देगी! तुम लोग भी मुझे आशीर्वाद, वोट दोगे या धोखा करोगे? मैंने रोटी दी, तुम मुझे वोट दो। मैंने सुरक्षा दी तुम मुझे वोट दो। मैंने शौचालय दिया, मैंने फ्री बिजली दी, मैंने पैसा बांटा मुझे वोट दो। तब भारत में लोकतंत्र का चुनावी पर्व अब सन 2022 में भिक्षा बनाम वोट लेने-देने का क्या बहीखाता नहीं हो गया? इस बहीखाते में मनुष्य जीवन की गरिमा, गौरव और अवसरों की बात नहीं है, बल्कि आटा देने, पाखाना करवाने, चूल्हा चलवाने, पानी देने, बिजली देने की छोटी-छोटी भिक्षा देने का यदि हिंदू गौरव और हिंदू विश्वगुरूता है तो ईश्वर ही हिंदुओं का मालिक। दुनिया में ऐसे सस्ते वोट और सस्ते नेता क्या कहीं हैं?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

रेल प्रशासन द्वारा शुरू की गई पांचवी और छठी लाइनों को लेकर...

यात्रियों को करना पड़ रहा है काफी दिक्कतों का सामना

आरटीआई कार्यकर्ता एडवोकेट अब्दुल्ला पठान

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। हाल ही में देश के पंतप्रधान द्वारा पांचवी और छठी लाइन का शुभारंभ किया गया जिससे मुंब्रा से सीएसटी प्रतिदिन कामकाज के लिए जाने वाली यात्रियों में खुशी की लहर यह सोचकर बढ़ गई थी रेल प्रशासन द्वारा यह सुविधाएं प्रधान करने के बाद मुंब्रा से सीएसटी की ओर जाने वाले यात्रियों को भीड़ भाड़ से राहत मिल सकेगी परंतु दुर्भाग्यपूर्ण इसका मामला विपरीत ही नजर आ रहा है जो खुशी की लहर यात्रियों में यह सोच कर चरम सीमा पर पहुंच रही थी क्या अब हमको भीड़-भाड़ से राहत मिल जाएगी और हम सुकून से मुंब्रा से सीएसटी बैठकर अपने कामकाज की ओर प्रतिष्ठान करेंगे समस्या तो तब पैदा हुई जब यात्रियों को पता चला कि रेल प्रशासन द्वारा पुराने टाइम टेबल पर चलाई जाने वाली ट्रेनों को रद्द कर नए टाइम टेबल के अनुसार छोड़ा जा रहा है जिसको देखते हुए मुंब्रा स्टेशन पर यात्रियों का मंडी बाजार लग रहा है और मुंब्रा स्टेशन पर आने वाली ट्रेन कल्याण से या डोंबिवली से ट्रेन लबालब दुगनी भीड़ नजर आ रही है और यही कारण मुंब्रा स्टेशन पर खड़े यात्रियों को ट्रेनों में चढ़ने का मौका तक नहीं मिल रहा और इससे यात्री कई ट्रेनों को यह सोच कर छोड़ रहे हैं क्या आने वाली दूसरी ट्रेन से हम अपने कामकाज की ओर चले जाएंगे लेकिन देखा जा रहा है ज्यादातर ट्रेनें कल्याण से डोंबिवली से भरकर ही आ रही है इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कामकाज की जगह पर देरी से पहुंच रहे हैं और बैठने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता खड़े-खड़े ही मुंब्रा से सीएसटी की ओर यात्रियों को यात्रा करनी पड़ रहा है अगर कोई यात्री इस भीड़ बाल वाली ट्रेन में चड भी रहा है तू अपनी जान हथेली पर लेकर अपने कामकाज सीएसटी की ओर प्रस्थान कर रहा है दूसरी बात पर गौर करी जाए सीएसटी से आने वाली ट्रेन के स्टेशन मुंब्रा और दिवा का एक ही तरफ होने के कारण जो यात्री दिवा में उतरने वाले हैं वह पहले से ही ट्रेन कंपार्टमेंट के दरवाजे पर खड़े हो जाते हैं और मुंब्रा स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है कई बार तो लड़ाई झगड़ा तक ट्रेन कंपार्टमेंट में यात्रियों में एक दूसरे के साथ किया जा रहा है तू रेल प्रशासन से निवेदन है कृपा ट्रेनों का आदान-प्रदान ऐसे समय पर करें कि जिस से मुंब्रा से सीएसटी जाने वाले यात्रियों को बैठकर अपने कामकाज की ओर जा सके और सीएसटी से आने वाली ट्रेन जो मुंब्रा स्टेशन पर आसानी से यात्रियों को उतरने का अवसर प्राप्त हो इस तरह का विकल्प निकाला जाए कृपा होगी यह तमाम जानकारी हम तक पहुंचाने वाले आरटीआई कार्यकर्ता एवं एडवोकेट अब्दुल्लाह पठान द्वारा इस समस्या की जानकारी दी।

डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की पार्टी परिवर्तन पक्ष के पद अधिकारी का ऐलान

गरीबों के झोपड़े तोड़ने के लिए हमारी लाश पर से गुजरना पड़ेगा

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बाईपास से सट्टा परिसर टोल नाका के करीब शिवराम मामा के बंगले के पीछे अंबेडकर पाड़ा के निवासियों को वन विभाग द्वारा मकान खाली करो नोटिस दिया जा रहा है दरअसल मामला कुछ इस तरह से है इस अंबेडकर पाड़ा परिसर में पत्रे के मकान में निवासी वर्ष 2002 से रह रहे हैं यह गरीब मजदूर लोगों ने तिनका तिनका इकट्ठा करके अपना पत्रे का मकान उस वक्त बनाया था जब वहां पर शासन प्रशासन की तरफ से किसी प्रकार की कोई भी सुविधाएं नहीं दी जा रही थी यह गरीब मजदूर मोमबत्ती लगाकर और दूरदराज से पानी भरकर अपना गुजर बसर कर अपनी जिंदगी के दिन काट रहे थे आज हालात ठीक परिस्थिति पर पहुंच गए हैं इनकी मकानों का टैक्स भी मनपा प्रशासन द्वारा लिया जा रहा है लाइट की सुविधाएं भी मिल चुकी है और पानी की व्यवस्था भी हो गई है लेकिन अचानक वन विभाग द्वारा नोटिस भेजा जा रहा है कि आप अपना मकान खाली करो नहीं तो हम लोगों को कार्यवाही करना पड़ेगा यह नोटिस अंबेडकर पाड़ा में रहने वालों 40 लोगों को दी गई और उन्हें तत्काल मात्र 48 घंटे के भीतर मकान खाली करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं अगर 48 घंटे के भीतर मकान को खाली नहीं किया गया तो वन विभाग द्वारा तोड़ू कार्रवाई की जाएगी जिसका खर्च भी 40 गरीब मजदूर पत्रे की मकान में रहने वालों से वसूला जाएगा

वहीं दूसरी ओर स्थानीय नगरसेवक रेहान पीतल वाला द्वारा यह आश्वासन दिया जा रहा है कि अगर आप लोगों को मकान खाली कराए जाएंगे तो पुनर्वासन के लिए जगह दी जाएगी या फिर मकान खाली नहीं कराए जाएंगे यह आश्वासन नगरसेवक द्वारा दिया जा रहा है वही डॉ बाबासाहेब आंबेडकर परिवर्तन पक्ष के पदाधिकारी द्वारा यह कहा जा रहा है कि यहां पर से फ्लावर ब्रिज तैयार किया जा रहा है जिसमें झुग्गी झोपड़ी या पर टाट के पैबंद की तरह दिखेंगी इसी कारण हम लोगों को यह झांसा दिया जा रहा है कि यहां पर पानी की टाकी और आंगनवाड़ी बनाई जाएगी यही बात यहां के स्थानीय नगरसेवक रेहान पीतल वाला द्वारा भी यही बात कही जा रही है यहां पर पानी की टाकी और आंगनवाड़ी बनाई जाएगी उनका कहना है गरीब मजदूर लोगों को घर से बेघर करके पानी की टाकी और आंगनवाड़ी बनाने का सिर्फ षड्यंत्र रचा जा रहा है हम लोग को मकान खाली कराने के लिए लेकिन अंबेडकर पाड़ा के निवासियों ने एकजुट होकर यह ऐलान किया है कि चाहे टीएमसी हो या वन विभाग कोई भी मिलकर हमारे मकान को तोड़ने हम नहीं देंगे अगर उन लोगों को तोड़ना है तो हमारी लाशों पर से गुजरना होगा यह गरीब मजदूर किसी भी तरह अपने मकान को खाली करने के लिए तैयार ही नहीं है अब देखना यह है आगामी मनपा चुनाव का दौर है सत्ताधारी पार्टी किस तरह से यह समस्या का समाधान निकालेंगे यह देखने वाली बात होगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने किया गिरफ्तार

ईडी ने उन्हें स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश कर 14 दिन का रिमांड मांगा था, जिस पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उन्हें 8 दिन की कस्टडी में भेज दिया है। कोर्ट ने उन्हें जेल में अपनी दवाइयां रखने और घर का खाना मंगाकर खाने की इजाजत भी दी है। मलिक की सुनवाई के दौरान कोर्ट के बाहर एनसीपी कार्यकर्ताओं की भीड़ लगी रही। कोर्ट से बाहर निकलने पर गाड़ी में रवाना होते समय मलिक ने उन्हें हाथ हिलाकर सबकुछ ठीक होने का इशारा किया और वहां से ईडी अधिकारियों के साथ चले गए। मलिक के समर्थकों के भड़कने की संभावना को देखते हुए ईडी ऑफिस पर सीआरपीएफ की तैनाती कर दी गई है। मलिक की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। एनसीपी चीफ शरद पवार के घर सिल्वर ओक पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मीटिंग हुई है। मीटिंग के बाद वे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मिलने उनके सरकारी बंगले 'वर्षा' पर पहुंचे हैं। ठाकरे ने भी राज्य के गृह मंत्री के साथ बैठक की है। नवाब मलिक की गिरफ्तारी के विरोध में विधानसभा के बाहर गुरुवार को सुबह 10 बजे महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्री प्रदर्शन करने वाले हैं। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि नवाब मलिक को ईडी ने गलत तरह से गिरफ्तार किया है। कोर्ट में कई सालों तक 1992 बम धमाका मामला चला, जिसमें बहुत लोगों को फांसी और सजा हुई थी। उस मामले में नवाब मलिक का नाम कहीं नहीं आया था। उन्होंने कहा कि इसके विरोध में कल मंत्रालय के पास स्थित गांधी जी के पुतले के पास हमारे मंत्री और परसों हमारे कार्यकर्ता पूरे तालुका में प्रदर्शन करेंगें। नवाब मलिक ने कुछ गलत नहीं किया है इसलिए उनका इस्तीफा नहीं लिया जाएगा। एमवीए की सरकार गिराने के लिए केंद्र सरकार ऐसी हरकतें कर रही है। भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने भी मामले प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। अब उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। यह महाराष्ट्र की परंपरा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र ने ना कभी केन्द्र के आगे घुटने टेके हैं और ना कभी टेकेगा। महाराष्ट्र से लोकसभा सांसद ने कहा कि ईडी की कार्रवाई से राकांपा को कोई अचंभा नहीं हुआ है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि केन्द्र अपनी मशीनरी का इस्तेमाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ दमनकारी तरीके से कर रही है। सुले ने एक टीवी चैनल से कहा, यह अपेक्षित था, नवाब भाई को भी इसका अंदेशा था।

अरमान कोहली को बड़ा झटका

एनसीबी ने अरमान के घर से अगस्त, 2021 में 1.2 ग्राम कोकीन जब्त की थी। वे तभी से न्यायिक हिरासत में हैं। इसी मामले में गिरफ्तार दो अन्य लोगों करीम धनानी और इमरान अंसारी को जमानत दे दी गई है। दरअसल, एनसीबी को अरमान कोहली के जुहू स्थिति घर से छापेमारी के दौरान कुछ मात्रा में ड्रग्स बरामद हुए थे। जिसके बाद ड्रग्स रखने के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था- कोहली के मोबाइल फोन से चैट और कुछ वीडियोज मिले हैं, जिससे साफ है कि वह मादक पदार्थों की अवैध तस्करी में शामिल थे। जांच के दौरान प्राप्त सामग्री की जांच करने के बाद 'प्रथम दृष्टया' ऐसा लगता है कि कोहली 'मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से संबंधित सह-आरोपियों के साथ अच्छी तरह से जुड़े हुए थे।' विशेष अभियोजक अद्वैत सेठना ने अदालत में कोहली और सह-आरोपियों के बीच की चैट पेश की थी। एनसीबी के अनुसार, कोहली के घर से 1.2 ग्राम एमडी बरामद की गई थी, जबकि मामले में सह-आरोपी से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया था। कोहली की गिरफ्तारी मुख्य विक्रेता अजय राजू सिंह को हिरासत में लेकर की गई पूछताछ के बाद हुई थी। अरमान को बिग बॉस 7 शो के दौरान तब गिरफ्तार किया गया था, जब सोफिया ने उनके खिलाफ मोप से मारने की शिकायत दर्ज करवाई थी। हालांकि, शुरूआत में उन पर सांताक्रूज पुलिस ने मारपीट करने का मामला दर्ज किया था, लेकिन लोनावाला सिटी पुलिस ने उन पर यौन उत्पीड़न (हैरेसमेंट) के आरोप भी लगाए थे। कुछ दिन बाद में अरमान को जमानत मिलने पर रिहा कर दिया गया था।

● हाल ही में दादासाहेब फाल्के आइकन अवॉर्ड फिल्म की और से हुए नेताजी सुभाष चन्द्र बोस नोबेल शांति पुरस्कार 2022 समाज सेवक डॉ गौरव शाह (उत्तर मुंबई भाजपा अध्यक्ष: व्यापारी प्रकोष्ठ युवा मोर्चा), (चेयरमेन: लेट अनिल एम शाह फाउंडेशन) को प्राप्त हुआ। डॉ गौरव शाह ने कहा कि यह पुरस्कार आप सभी लोगो के हमारे फाऊंडेशन में सहयोग से ही मिला है। उसके लिए आप सभी लोगों को और डीपीआईएएफ की संस्थापक कल्याणजी जाना और उनकी टीम को दिल से धन्यवाद। डॉ गौरव शाह ने आगे कहा कि ऐसे ही आगे सभी का सहयोग करते रहे और जरूरतमंद लोगों के सहायता करते रहेंगे।

धामनगाव बढ़े ग्रामपंचयत में संत गाडगे बाबा व गजानन महाराज को अभिवादन

संत गाडगे महाराज की विचारों को आत्मासात करेः अलीम कुरैशी

मुंबई हलचल / अशफाक युसुफ

धामनगाव बढ़े। धामनगाव बढ़े ग्रामपंचयत में गाडगे महाराज तथा गजानन महाराज, की जयंती हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रा, प, भवन में मनाई गई संत गाडगे महाराज और गजाजन महाराज की प्रतिमाओं को फूल अर्पण कर के अभिवादन किया गया जयंती कार्यक्रम में सभी उपस्थित मान्यवरों ने दोनों संतो की प्रतिमा को फूल अर्पण कर के अभिवादन किया कार्यक्रम का प्रस्ताविक भाषण आरिफ खान ने किया जबकि सरपंचपति अलीम कुरेशी, लक्ष्यमण गवई, गणेशसिंग राजपूत तथा दिपक हिवाले ने संत गाडगे बाबा के जिवन पर प्रकाश डालते हुवे कहा कि संत गाडगे बाबा के विचारो को आज हमें आतमासात करने की जरूरत है उनके लिए यही खरी श्राद्धाजंलि है इस समय उपसरपंच श्याम निमखेड़े, ग्रामपंचयत भास्कर हिवाले, ग्रा, प, सदस्य रसीद पटेल, धनराज महाजन, ग्रा,प, सय्यद बिस्मिल्लाह, ग्रा प, जमीर कुरेशी, गजानन शेलकर, मुकुंदा शिरसागर, परिट समाज के शहर अध्यक्ष राजेश जाधव, दामोदर जाधव, सुगन निम्बाडकर, किशोर जाधव, कार्यक्रम का सूत्रसंचालन व आभार प्रदर्शन आरिफ खान किया।

कार्यालय प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग में कायनात हुमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

मुंबई हलचल / सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। भारत की जानी-मानी संस्था कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा कार्यालय प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण भवन भोपाल मध्य प्रदेश में सभी स्टॉप एवं कर्मचारियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित माननीय नरेंद्र कुमार प्रमुख अभियंता माननीय संजय मासके मुख्य अभियंता माननीय अनंत सिंह रघुवंशी सर कार्यपालन यंत्री नया भोपाल संभाग माननीय सुनील कुमार जैन उपयंत्री निर्माण भवन माननीय टी.पी. श्रीवास्तव एस डी ओ जेल 3 माननीय शेख फैजान एवं कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज उपस्थित रहे शिविर में शासकीय मलेरिया डिपार्टमेंट से भैया मियां एवं उनके स्टाफ के द्वारा मलेरिया की जांच की गई डेंगू से संबंधित बचाओ जागरूक किया गया दंत से संबंधित डेनेशिया हॉस्पिटल के डॉक्टर माननीय प्रशांत त्रिपाठी सर डॉक्टर पूजा त्रिपाठी मैडम डॉ रितु शर्मा डॉक्टर मनाहिल कुरेशी डॉक्टर अनुपमा शुक्ला डॉक्टर अलंकृता सिंह चौहान रक्षक पटेल महेश्वरी साहू डॉक्टर अंकिता हरले डॉ मंजूलता नायक डॉक्टर गरिमा शर्मा डॉक्टर प्राची शर्मा हर्ष झा पेमेंन साहू पूजा लोधी डॉक्टर अकबर के द्वारा दांतों का चेकअप किया गया आई चेक अप प्रकाश आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा चेकअप किया गया डॉक्टर एम एस राजपूत सर रुपेश सूर्यवंशी उमर खान साहिल शर्मा शालु बंशकार के द्वारा आई चेक अप किया गया जनरल चेकअप डॉक्टर माननीय अरशद अहमद डॉक्टर आफरीन अली सैयद साजिद अली के द्वारा जनरल चेकअप क्या गया सभी डॉक्टरों को कार्यालय प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण भवन भोपाल मध्य प्रदेश के द्वारा सर्टिफिकेट दिया गया कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी संस्था अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को शील्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया सभी स्टॉप एवं वर्करों ने संस्था का आभार व्यक्त किया छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार स्वस्थ भारत के निर्माण में सहयोग करें अपना चेकअप जरूर करवाये।

नेपानगर में नपा अध्यक्ष ने 5 पीएम आवास हितग्राहियों को फता काटकर कराया ग्रह प्रवेश

नेपानगर। मोदी सरकार की महत्वाकांशी योजना प्रधानमंत्री आवास के तहत आज देश भर में लाखो लोग पक्के मकानों का निर्माण कर लाभ ले रहे उसी क्रम में नेपानगर में भी ग्राम बीड और अंधारवाडी गांव में नेपानगर नगरपालिका के अध्यक्ष राजेश चौहान सहित वार्ड पार्षद ने 5 पक्के मकानों का फीता काटकर हितग्राहियों को ग्रह प्रवेश कराया। नपा अध्यक्ष ने बताया कि नगरीय क्षेत्र के 5 वार्डों में पीएम आवास योजना का लाभ दिया जा रहा है शीघ्र ही नेपा लिमिटेड से भूमि हस्तांतरण के बाद अन्य वार्डों में में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाएगा श्री चौहान ने बताया की अभी तक कुल 650 हितग्राहियों को पीएम आवास योजना का लाभ दे चुके। शिवराज सिंह चौहन जी द्वारा आज करीब 90 पीएम आवासो का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इस दौरान पार्षद सुजीत पाटिल, प्रदीप दवे, ज्ञानेश्वर महाजन, रमेश केथवास, अर्जुन भाई, भीमा नायक, हरीबाबा, बबू भाई, हरि महाराज रहवासी मौजूद रहे।

पुलिस का जुआ अड्डे पर छापा

देढ़ लाख रुपये का माल जब्त

मुंबई हलचल / अशफाक युसुफ

बुलढाणा। अपर पुलिस अधीक्षक श्रवण दत्त की एक टीम ने खामगांव तालुका के असलगांव बाजार में एक जुआघर में छापा मारा और चार जुआरियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1 लाख 45,950 रुपये का माल जब्त किया। यह कार्रवाई 21 फरवरी, 2022 को की गई है। तालुका के असलगांव के जुआरियों का किंग समाधान उर्फ पिंटू सतोटे ये 300 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से एजेंट नियुक्त कर गांव के साथ-साथ शहर में जुआ खेलने की गुप्त जानकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रवण दत्त को प्राप्त हुवी इसी आधार पर उन्होंने दस्ते को कार्रवाई करने का आदेश दिया। इस आदेश के बाद पोलिस उपनिरीक्षक पंकज सपकाळ, पोहेकॉ गजानन बोरसे, नाईक पोलीस गजानन आहेर, रघुनाथ जाधव, संदिप टाकसाळ, राम धामोडे इस दस्ते ने असलगाव में पिंटू सातोटे के नदी किनारे के घर पर छापा मारा,पुलिस को आते देख समाधान उर्फ तोत राम सातोटे मौके से फरार हो गया। जबकि राजेंद्र भुसारी, 42, नानाराव इंगले, 44, विनोद महले, संदेश डोंगरदिवे, रा. असलगांव जुआ खेलते पकड़ा गया। इस दौरान उनके पास से जुआ सामग्री, 33,000 रुपये मूल्य के 13 मोबाइल और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इस तरह कुल 1 लाख 45 हजार रुपये का माल जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ जलगांव जमोद थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक श्रवण दत्त के मार्गदर्शन में टीम ने की है।

सगाई से लौट रहे जीजा-साला आ गए ट्रेन की चपेट में, दोनों की मौत

संवाददाता / सक्ती

अपने रिश्तेदार की सगाई से लौट रहे दो परिवार में मातम उस वक्त छा गया जब जीजा और साला ट्रेन हादसे का शिकार हो गए। घटना सक्ती रेलवे केबिन के पास की है। मंगलवार 22 फरवरी को भांटापारा से दो परिवार साउथ बिहार एक्सप्रेस से सक्ती रेलवे स्टेशन में उतरा था और अपने घर डभरा जाने के लिए बस पकड़ने के लिए लाइन के किनारे पैदल निकले थे। तभी एक ट्रैक रीडिंग मशीन ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। जीजा तुलसीदास 50 वर्ष एवं साला अमृतदास 35 वर्ष की तत्काल मौत हो गई वहीं उनके साथ चल रही दोनों की पत्नी और दो बच्चे बच गए।

ट्रैक रीडिंग मशीन ने ली जान

डभरा ब्लाक के सुखापाली का रहने वाला तुलसी दास उम्र 50 वर्ष अपनी पत्नी सकृता दास के साथ तथा डभरा ब्लाक के सपोस का अमृतदास उम्र 35 वर्ष अपनी पत्नी उषा बाई तथा अपने बच्चे गोकूल तथा गोपिका के साथ अपने रिश्तेदार के यहां भांटापारा सगाई समारोह में शामिल होने गए थे। मंगलवार 22 फरवरी को वे आरक्षण करवाकर साउथ बिहार एक्सप्रेस से सक्ती रेलवे स्टेशन पहुंचे और लाइन किनारे से बस पकड़ने के लिए टेमर फाटक के तक जाने के लिए निकल पड़े। उसी समय स्टेशनपारा केबिन के पास ट्रैक रीडिंग मशीन की चपेट में आ आए और तुलसी दास तथा अमृतदास की मौके पर ही मौत हो गई।

'प्रतीक्षा' को लेकर बीएमसी को अभ्यावेदन दाखिल करे बच्चन दंपति : अदालत

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया बच्चन को निर्देश दिया कि वे उपनगरीय जुहू में उनके बंगले 'प्रतिक्षा' के एक हिस्से के अधिग्रहण के लिए जारी नोटिस के खिलाफ बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को अभ्यावेदन दाखिल करें। बच्चन दंपति ने नगर निकाय द्वारा जारी नोटिस को चुनौती देते हुए इस सप्ताह की शुरूआत में उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति आरडी धनुका और न्यायमूर्ति एसएम मोदक की खंडपीठ ने उन्हें दो हफ्ते के भीतर बीएमसी को एक अभ्यावेदन दाखिल करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा, जब अभ्यावेदन दाखिल हो जाएगा तो बीएमसी छह हफ्ते बाद इस पर सुनवाई कर निर्णय लेगी।

आंख से मक्खियों को नहीं निकाल पाया अमेरिका, भारत में डाक्टरों ने दी राहत

क्या आपने कभी यह सुना है कि अमेरिका में जब इलाज नहीं हुआ तो वहां के मरीज को भारत में आकर सर्जरी करवानी पड़ी। हमने अक्सर ऐसा सुना है कि कुछ ऐसी बीमारियां या समस्याएं होती हैं, जिसके इलाज के लिए लोग विदेश जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी ऐसा सुना है कि किसी विदेशी शख्स ने भारत में आकर इलाज करवाया। दरअसल, ऐसा हुआ है नई दिल्ली के एक अस्पताल में। जहां आंख में बॉट मक्खियां घुसने की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित अमेरिकी महिला की सफल सर्जरी हुई है।

संवाददाता / नई दिल्ली

हाल में अमेजन वन का दौरा करने वाली एक अमेरिकी महिला आंख में एक तरह के ऊतक संक्रमण मियासिस की दुर्लभ बीमारी से पीड़ित पायी गयी और यहां एक निजी अस्पताल में उसकी सफल सर्जरी हुई। अस्पताल अधिकारियों ने सोमवार 21 फरवरी को यह दावा किया।

- अमेरिकी डाक्टरों ने दवाएं देकर भेज दिया था घर

अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि महिला ने अमेरिका में अपनी तकलीफ डाक्टरों को बताई थी लेकिन वहां सर्जरी करने के बजाए डाक्टरों ने कुछ दवाएं दे दी थी। जिससे उसे आराम नहीं मिला। इसके बाद यह महिला भारत आई। यहां उसने अस्पताल में परीक्षण करवाया। इसके बाद डाक्टरों ने ऑपरेशन कर इस 32 वर्षीय महिला के शरीर से तकरीबन दो सेंटीमीटर के आकार की तीन जिंदा बॉट मक्खियां निकाली। डाक्टरों के मुताबिक मियासिस मानव ऊतक में मक्खी के लार्वा का संक्रमण है। यह उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में होता है।

बगैर बेहोशी के 15 मिनट में हुई सर्जरी

बहुत दुर्लभ मामला

वसंत कुंज के फोर्टिस अस्पताल ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी महिला दाहिनी आंख की ऊपरी पलक पर सूजन के साथ ही लाल चकते होने और दर्द की शिकायत लेकर आपात विभाग में आयी। उसने यह भी बताया कि उन्हें पिछले चार-छह सप्ताह से ऐसा महसूस हो रहा है कि उनकी पलकों के अंदर कुछ चल रहा है। अस्पताल में परामर्शक और आपात विभाग के प्रमुख डॉ. मोहम्मद नदीम ने कहा, 'यह मियासिस का बहुत दुर्लभ मामला है। इन मामलों में तत्काल विस्तार से विश्लेषण की आवश्यकता होती है। अमेरिकी नागरिक एक शौकिया पर्यटक हैं और वह दो महीने पहले अमेजन वन में गयी थीं। इसके बाद उनकी जांच की गयी।'

एक बयान में कहा गया कि एनेस्थीशिया दिए बिना सभी एहतियात के साथ 10-15 मिनट में सर्जरी पूरी की गयी। इसके बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। अस्पताल ने दावा किया कि भारत में ऐसे मामले ज्यादातर ग्रामीण इलाकों से और खासकर बच्चों में सामने आते हैं जहां बॉट मक्खियां नाक के रास्ते से या त्वचों के घावों के जरिए शरीर में प्रवेश करती हैं।

सरकारी कर्मचारियों को सरकार की चेतावनी, हड़ताल पर गए तो खैर नहीं

मुंबई। राज्य सरकारी कर्मियों की बुधवार से शुरू होने वाली हड़ताल पर राज्य सरकार ने सख्त रवैया अपनाया है। सरकार ने हड़ताल में शामिल होने वाले सरकारी और अर्धसरकारी कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है, वहीं हड़ताल पर जाने की घोषणा करने वाले कर्मचारियों के यूनियन नेताओं ने कहा है कि वे परि-पत्रक से डरने वाले नहीं हैं। बेहतर होता कि सरकार हमारी मांगों को मानती और बातचीत का रास्ता अपनाती, लेकिन यह रवैया ठीक नहीं है। बृहन्मुंबई राज्य सरकारी कर्मचारी संगठन और राज्य सरकारी समूह-ड (चतुर्थ श्रेणी) कर्मचारी मध्यवर्ती महासंघ ने अपनी विविध मांगों को लेकर 23 और 24 फरवरी को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन लागू करने, नई पेंशन योजना की खामियां दूर करने, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष करने, नई भर्ती करने, कर्मचारियों का बकाया भत्ता देने जैसी अन्य प्रमुख मांगें हैं। इन मांगों को लेकर यूनियन नेताओं और सरकार के बीच कई बार बैठक हुई, लेकिन किसी प्रकार का निर्णय नहीं हो सका। अब कर्मियों ने कड़ा रुख अपनाते हुए सांकेतिक हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है।

अदालत ने दुकानों का नाम मराठी में लिखने संबंधी महाराष्ट्र सरकार का नियम बरकरार रखा

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार के उस नियम को उचित करार देते हुए रद्द करने से इंकार कर दिया, जिसमें राज्य सरकार ने दुकानों और प्रतिष्ठानों के बोर्ड पर उनका नाम मराठी भाषा में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने का नियम बनाया है। न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने इस मुद्दे पर 'फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेडर्स' की याचिका को खारिज कर दिया और उस पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि दुकानों पर उनके बोर्ड में किसी अन्य भाषा के इस्तेमाल पर कोई रोक नहीं है और नियम के अनुसार दुकान का नाम मराठी में प्रदर्शित होना अनिवार्य है। याचिका में महाराष्ट्र दुकान व प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में संशोधन को चुनौती दी गई थी, जिसके अनुसार सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों के बोर्ड पर मराठी में अपने नाम प्रदर्शित करने होंगे।

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY

Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बेमौसम बारिश के कारण जिले भर के किसानों की भारी संख्या में फसलें हुई बर्बाद

अभी तक किसानों को मुआवजे के रूप में कोई राहत नहीं: मोहम्मद हनीफ वारसी

मानपुर। ग्राम मानपुर ओझा में किसानों को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन अंबावता के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ वारसी ने कहा कि 24 फरवरी को झांकियों की मासिक पंचायत अंबेडकर पार्क में संपन्न होगी बेमौसम बारिश के कारण जिले भर के किसानों की भारी संख्या में फसलें तबाह बर्बाद हो गई लेकिन अभी तक किसानों को मुआवजे के रूप में कोई राहत नहीं दी गई है बड़े आंदोलन की रणनीति कल तैयार की जाएगी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सभी 11:00 बजे अंबेडकर पार्क में पहुंचे जो कार्यकर्ता और पदाधिकारी कल की मासिक मीटिंग में नहीं पहुंचेगा वह अपने आप को पद मुक्त समझे संगठन में लापरवाही अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी रूद्र विलास चीनी मिल में हर वर्ष 50 करोड़ का घाटा हो रहा है घाटे के रूप में शासन प्रशासन के लोग मिलीभगत करके चूना लगा रहे हैं प्राइवेट चीनी मिलें हर वर्ष अच्छा मुनाफा कमा रही हैं सहकारी चीनी मिल्स विलास हर वर्ष करोड़ों का घाटा दिखा रही है जिला प्रशासन से मांग है पीसीएस अधिकारियों की कमेटी बनाकर घाटे की जांच कराई जाए सरकार के खजाने पर डाका डालने वाले गरीब किसान मजदूर के खून पसीने पर डाका डाल रहे हैं गरीब मजदूर जो सुरती से लेकर माचिस बनी तेल चीनी चायपत्ती जूता चप्पल बनियान रोजमर्रा के खाने पीने के

सामान जो खरीदता है उसमें टैक्स देता है उस टैक्स के रूप में सरकार का खजाना भरता है डीजल पेट्रोल के साथ अन्य टैक्स देता है गरीब मजदूर किसान उस एक्स सरकार चलती है और हर वर्ष चीनी मिल के हाथ खड़े करने पर सरकार किसानों का भुगतान करती है ज्यादातर मिल के कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही है समय से गन्ने का पेमेंट नहीं मिल रहा है चड्ढा पेपर मिल बोतल फैक्ट्री मैं बोला में कपड़ा जलाया जा रहा है जिसकी गंध आसपास के एरिया में फैल रही है फैक्ट्री से निकलने वाली राख को सार्वजनिक जगह पर डाला जा रहा है जिसकी वजह से राहगीरों की आंखें खराब हो रही है तहसील प्रशासन शीघ्र कार्यवाही करें अन्यथा आंदोलन किया जाएगा पूर्व में बेमौसम बारिश के कारण कई एकड़ धान की फसल किसानों की नष्ट हो गई थी बाईपास फोरलेन एनएचएआई के अधिकारियों की गलती के कारण पानी निकासी ध्यान नहीं रखा जिसकी वजह से समय से पानी नहीं निकल पाया हम लोगों ने उप जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा था ना चाही के अधिकारियों को जिसमें मामले की मांग की थी हरा फसलों के नहीं तो अभी तक माफ कर दिया गया और ना ही अधिकारियों ने किसानों के साथ बैठक की है मूवी किसान विरोधी ताकतों को अबकी बार उखाड़ फेंक अंगे किसानों को कमजोर समझने वाले होश में आ जाए सत्ता में आकर कुछ लोग यह भूल जाते हैं सत्ता आती जाती रहती हैं सत्ता कभी किसी की बपौती नहीं रही किसान मजदूरों का शोषण करने वाले बक्से नहीं जाएंगे बीजेपी की मानसिकता ओछी मानसिकता है जो किसान मजदूरों में नफरत फैलाने का काम कर रही है और करती है हम किसानों को क्षेत्र की दर्जनों सड़कें बने हुए अभी मात्र दो-तीन माह हुए होंगे अधिकतर उखड़ गई उन सबको की भी जांच करवाएगी भाकियू बिलासपुर स्वास्थ सेवा केंद्र सीएससी एवं पीएससी मैं गरीब मजदूर किसान डिलीवरी केस देकर जाता है उसे 3000 से लेकर 5000 रुपये स्वास्थ्य विभाग के नर्स एवं डॉक्टर वसूलते हैं क्षेत्र के तमाम गरीब किसान मजदूर इस तरह की शिकायत हमारे संगठन से आकर करते हैं बिलासपुर अस्पताल पर 1 हफ्ते के अंदर आंदोलन धरना प्रदर्शन करेंगे पदाधिकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ पंचायत की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिरदार नेकी एवं संचालन प्रांतीय प्रवक्ता भानु प्रताप गंगवार ने किया वक्ताओं में विकास बैरागी काला अधिकारी दीपक मिर्धा नमिता मिर्धा अजय सिंह गिल हरजिंदर सिंह मक्खन सिंह काला अधिकारी पूरन शंकर मंडल तापस सुरेन विश्वास अजीत मंडल कमल बैरागी सुरेश कर्तनिया महेंद्र सिंह बब्बू मोहम्मद जफर पप्पू दिवाकर चोखे लाल मनिंदर डॉ बीके विश्वास सचिन दा राजेश कुमार आदि शामिल।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ऑफलाइन बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऑफलाइन बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की मांग याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मामले में एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि इस तरह की याचिकाएं विद्यार्थियों को झूठा दिलासा देती हैं। कोर्ट के इस कदम से लगभग स्पष्ट हो गया कि इस साल 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं तय समय पर ऑफलाइन ही होंगी। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निर्णय और अपडेट संबंधित राज्य और शिक्षा बोर्ड को करना है। देश भर में 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए ऑफलाइन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। याचिका में सभी केंद्रीय और राज्य शिक्षा बोर्ड जैसे- सीबीएसई, आईसीएसई और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग यानी एनआईओएस तथा विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्ड द्वारा 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए आयोजित की जाने वाली ऑफलाइन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने की। पीठ में जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार शामिल थे। याचिकाकर्ता ने कोर्ट में सीबीएसई टर्म-1 परिणाम को लेकर डेट स्पष्ट नहीं होने का भी हवाला दिया तो कोर्ट ने टोकते हुए कहा कि सीबीएसई की प्रक्रिया जारी है। मूल्यांकन पूरा होने दीजिए। पीठ ने कहा कि आप बिना सुनवाई के सीधे जजमेंट देने जैसी बात कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस एएम खानविलकर की पीठ ने याचिका को लेकर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही याचिकाकर्ता पर जुमार्ना लगाने की हिदायत भी दी। हालांकि, जुमार्ना नहीं लगाया गया। इस याचिका में देश भर के 15 से अधिक राज्यों के छात्रों के प्रतिनिधित्व किया गया था। याचिका में सीबीएसई, अन्य केंद्रीय और राज्य शिक्षा बोर्ड को ऑफलाइन परीक्षाएं रद्द करने एवं मूल्यांकन के अन्य तरीकों को तैयार करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। क्योंकि, फिलहाल सभी बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए ऑफलाइन मोड में बोर्ड परीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि फिलहाल ऐसे संकट जैसी स्थिति नहीं है कि परीक्षाएं रद्द कर दी जाएं। ऐसी याचिकाएं छात्रों में भ्रम पैदा करती हैं।

बजट में स्व. गुरूशरण छाबड़ा जन जागृति अभियान को पिछले बजट से दुगना किया गया

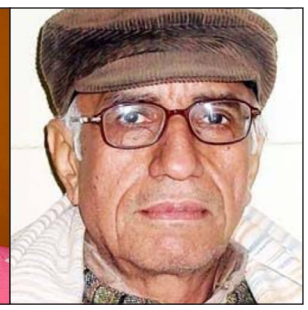

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री महोदय अशोक गहलोत जी द्वारा पेश राज्य का आम बजट काबिले तारीफ है, पुरानी पेंशन स्कीम का तोहफा कर्मचारियी को, तो शिक्षा और विकास पर बहुत कुछ इस आम बजट में वही स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ करने पर जोर कुल मिलाकर शानदार बजट मुख्यमंत्री जी द्वारा पेश किया गया।बजट में स्व. श्री गुरुशरण छाबडा जी जन जागरूकता अभियान का बजट पहले से बढ़ा कर दो गुना कर 10 करोड़ किया गया। इस पर स्व. गुरूशरण जी छाबड़ा साहब की पुत्रवधू पूनम अंकुर छाबड़ा जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन सम्पूर्ण शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया है कि इस घोषणा से शराबबंदी समर्थकों में खुशी की लहर है तथा इसके लिए सभी ने आभार प्रकट किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

युवाओं पर एनर्जी ड्रिंक का हो रहा खतरनाक असर

भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को चुस्त-दुरुस्त व फिट रखने के लिए आजकल युवाओं का ध्यान एनर्जी ड्रिंक की तरफ कुछ ज्यादा ही है। मगर यह एनर्जी ड्रिंक युवाओं को एनर्जी देने की अपेक्षा उनकी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आप भी एनर्जी ड्रिंक पीते हैं तो सावधान हो जाएं। दरअसल, एक नए शोध से पता चला है कि एनर्जी ड्रिंक से युवाओं में दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इससे न केवल युवाओं का ब्लड प्रैशर बढ़ रहा है, बल्कि हार्ट अटैक तक का खतरा भी बना रहता है। रोजाना एनर्जी ड्रिंक लेने वाले युवाओं में तो कोई न कोई बीमारी घर कर चुकी है। कनाडा के ओंटारियो में वाटरलू यूनिवर्सिटी में किए गए शोध में कहा गया है कि ऐसे ड्रिंक की बिक्री 16 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को करने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 12 से 24 साल के 55 प्रतिशत बच्चों को एनर्जी ड्रिंक पीने के बाद स्वास्थ्य संबंधी गंभीर प्रभावों

से गुजरना पड़ा। इनमें हार्ट रेट तेज होने के साथ ही दिल के दौरे भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने 2000 से अधिक युवाओं से पूछा कि वह रैडबुल या मोंस्टर जैसे एनर्जी ड्रिंक को कितनी बार पीते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि अन्य कैफीनयुक्त पेय की तुलना में जिस तरह से एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया जाता है, उसे देखते हुए एनर्जी ड्रिंक अधिक खतरनाक हो सकते हैं। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया था, उनमें से 24.7 प्रतिशत लोगों ने महसूस किया कि उनके दिल की धड़कन तेज हो गई थी। वहीं, 24.1 प्रतिशत लोगों ने कहा कि इसे पीने के बाद उन्हें नींद नहीं आ रही थी। इसके अलावा 18.3 प्रतिशत लोगों ने सिरदर्द, 5.1 प्रतिशत ने दिल घबराने, उलटी या दस्त और 3.6 प्रतिशत लोगों ने छाती में दर्द का अनुभव किया। हालांकि शोधकत्ताओं के बीच चिंता का कारण यह था कि इन युवाओं ने एक या दो एनर्जी ड्रिंक ही लिए थे, फिर भी उन्हें ऐसे प्रतिकूल प्रभावों का अनुभव हो रहा था। अध्ययन के बारे में प्रो. डेविड हैमोंड का कहना है कि फिलहाल एनर्जी ड्रिंक खरीदने वाले बच्चों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। करियाने की दुकानों में बिक्री के साथ ही बच्चों को टारगेट करते हुए इसके विज्ञापन बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि इन उत्पादों के स्वास्थ्य प्रभावों की निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।

वजन नहीं बढ़ने देंगे कम फैट वाले ये हैल्दी फूड्स

खाने के बाद एक ही जगह पर बैठे रहने से वजन बढ़ना शुरू हो जाता है। बहुत से लोगों का तौंद बैठे रहने से बाहर निकल आती है, जिसको बाद में कम करने में बहुत परेशानी होती है। कुछ लोग तो इसके लिए डाइटिंग और यहां तक की घंटों जिम में समय बिताते हैं। जिसका नुकसान सेहत पर भी पड़ता है लेकिन यह बात भी सही है कि हैल्दी रहने के लिए खान-पान का सही होना चाहिए। अधूरे पोषण से भी बाद में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि आप किस तरह के स्नैक्स या फूड्स खा रहे हैं और उनमें कितनी कैलोरी है, जो आपको पोषण देने के साथ-साथ वजन को भी कंट्रोल रखेंगी।

आइए जानते है कौन से हैं ये कम कैलोरी वाले फूड्स

1. सेब के साथ लें पीनट बटर

इसे खाने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और वजन पर भी कंट्रोल बना रहेगा। आप दिन में 50 ग्राम सेब को काट उस पर पीनट बटर लगाकर खा सकते हैं। इससे मोटापा का डर नहीं रहेगा।

2. इन फलों का करें सेवन

मोटापे को कम करने के लिए आप अपने आहार में कम कैलोरी वाले फल यानि अनानास, अंगूर और कीवी का सेवन करें। यह आपकी फालतू चर्बी को कम करने में काफी सहायक होगें और पोषण तत्वों की मात्रा भी शरीर में बनी रहेगी।

3. गाजर और मेयोनीज

बढ़ते वजन पर कंट्रोल पाने के लिए गाजर के टुकड़ें और मेयोनीज का इस्तेमाल करें। यह सबसे कम फैट वाला आहार है। इससे टेस्ट भी बना रहेगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा।

4. फल और दही

फलों को साथ दही भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप 2 चम्मच ब्लूबेरी के साथ आधा कप दही खा सकते हैं। इसके अलावा भी फलों के साथ दही का सेवन करना अच्छा माना जाता है। यह शरीर में जमा एक्सट्रा फैट को कम करने का काम करता है।

बच्चों को झूठ बोलने से है रोकना तो करें ये काम

बच्चे बहुत नादान होते हैं। इनका पालन पोषण करना कोई आसान काम नहीं है। सही समय पर उनकी गलतियो को पहचान कर सुधारना पेरेंट्स का फर्ज होता है। कभी-कभार पेरेंट्स की डांट से बचने या किसी ओर कारण से बच्चे झूठ बोल देते है। शुरू-शुरू में छोटी-मोटी बात पर झूठ बोलना बाद में बच्चों की आदत बन जाता है। इसलिए पेरेंट्स का फर्ज है कि उन्हें सही तरीके से समझा कर उनकी इस आदत को दूर करें। जरूरी नहीं कि इसके लिए आप डांट या मार का सहारा लें। आप कई ओर तरीके अपना बच्चे को झूठ बोलने से रोक सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप बच्चे की आदत को दूर कर सकती है।

1. बनें रोल मॉडल

बच्चे ज्यादातर आदतें अपने पेरेंट्स से ही सीखते है। ऐसे में अगर आप उनके सामने छोटी-मोटी बातों को लेकर झूठ बोलेंगे तो वो भी ऐसा ही सीखेंगे। इसलिए बच्चों के सामने झूठ बालने की बजाए उनके लिए रोल मॉडल बनें।

2. प्यार से समझाएं

अक्सर बच्चों के कुछ गलत करने पर आप उन्हें डांटने लग जाते है। इससे बच्चे डर कर आप से झूठ बोलने लग जाते है। इसलिए बच्चे अगर कोई गलती करें तो उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से समझाएं। इससे बच्चे का आप पर विश्वास बढ़ेगा और वो आपके खुद आकर अपनी गलती बता देगा।

3. हल निकालें

बच्चे की किसी गलती पर उसके साथ बैठकर उसका सही हल निकालें। इससे उसका आपके प्रति भरोसा बढ़ेगा और वो आपसे झूठ बोलने की बजाए सारी बातें आपको बताएगा, फिर चाहें वो स्कूल या दोस्तों से जुड़ी क्यों न हो।

4. तारीफ करना

अगर बच्चा आकर आपके सामने अपनी गलती मानते है तो उन्हें डांटे नहीं। इसकी बजाए उसके सच बोलने की तारीफ करें और उन्हें गलती का अहसास करवाएं। इससे वो आपसे कबी झूठ नहीं बोलेगा।

ग्रीन टी से बनाएं नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स, मिलेगा दोगुना ज्यादा निखार

आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर ग्रीन टी का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आपने इससे होने वाले कई हैल्थ बेनेफिट्स के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम आपको इससे होने वाले ब्यूटी के फायदो के बारे में बताने जा रहें है। ग्रीन टी इस्तेमाल करके आप इससे कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स बना सकती हैं। इससे आपकी स्किन को नैचुरल ग्लो भी मिल जाएगा और कोई नुकसान भी नहीं होगा। एंटी-इंफ्लेमेंटरी के गुणों से भरपूर ग्रीन टी का ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह इस्तेमाल आपकी स्किन की खूबसूरत को ओर भी बढ़ा देता है। आइए जानते है ग्रीन टी से बनने वाले नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में।

1. टोनर

1 कप पानी में दो ग्रीन टी बैग्स, 1 टीस्पून नींबू और खीरे को उबालने के बाद फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे स्प्रे बोतल में डालकर मॉइश्चराइजर लगाने के बाद टोनर की तरह इस्तेमाल करें।

2. स्क्रब

1 ग्रीन टी बैग को आधा कप पानी में उबालकर ठंडा कर लें। इसके बाद इसमें 1 टेबलस्पून चीनी मिलाकर चेहरे पर स्क्रब करें। इसे हल्के हाथों से रहड़ कर चेहरा धो लें। ध्यान रहें कि इसमें चीनी घुले नहीं।

3. हेयर क्लेंजर

सबसे पहले बालों को शैम्पू से धो लें। इसके बाद 2-3 ग्रीन टी बैग को उबाल कर उससे बालों को अच्छी तरह धो लें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल बालों को मजबूत, लंबे और शाइनी बनाएगा।

4. एंटी-एजिंग क्रीम

एंटी-एजिंग क्रीम बनाने के लिए ग्रीन टी बैग को 1/2 कप पानी में उबालकर ठंडा करके बोतल में डालें। अब 2 टेबलस्पून ग्रीन टी पानी में 1 टीस्पून विटामिन ए ऑयल मिलाकर सोने से पहले लगा लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल चेहरे की कई समस्याओं को दूर करता है।

5. फेस मास्क

ग्रीन टी बैग को पानी में उबाल लें। अब ऑयली स्किन के लिए इसमें मुल्तानी मिट्टी और ड्राय स्किन के लिए शहद मिलाएं। नॉर्मल स्किन के लिए इसमें संतरे के छिलके का पाउडर और शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चित्रांगदा सिंह का फूटा गुस्सा

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर बॉलिवुड ऐक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह का गुस्सा इस बार एक एयरलाइंस कंपनी पर फूटा है। चित्रांगदा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फ्लाइट के अंदर की क्लिप शेयर की है जिसमें उन्होंने एयरलाइन कंपनी की एयरहोस्टेस के बुरे व्यवहार की शिकायत की है। चित्रांगदा ने इस क्लिप के साथ एक नोट भी लिखा है। चित्रांगदा ने वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा, गो एयर की दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट 391 में अब तक की सबसे खराब और बदतमीज एयरहॉस्टेस हैं। प्लीज आप सभी इन्हें तोड़ी तमीज सिखाएं। इससे ज्यादा घमंडी रवैया मैंने आजतक नहीं देखा। इन सभी से बेहद निराश हूं। इससे मुझे एयर इंडिया का घटिया एक्सपीरियंस याद आ गया। चित्रांगदा ने अपनी अगली स्टोरी में लिखा, 'यह घटना मेरे साथ नहीं बल्कि मेरे साथ बैठे व्यक्ति के साथ हुई थी जिसके साथ एयरहॉस्टेस ने बहुत बुरा व्यवहार किया। जबकि उस व्यक्ति ने बेहद तमीज से बात की थी। क्रू को ऐसे गुस्से से बात नहीं करनी चाहिए।

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान जल्द करेंगे डेब्यू

शाहरुख खान बॉलीवुड के बादशाह कहे जाते है। जितनी पॉपुलैरिटी उन्होंने हासिल की है उसकी आधी पॉपुलैरिटी भी किसी स्टार को मिल जाये तो वो सुपरहिट बन जाए। वही बॉलीवुड के किंग खान के बच्चों की भी फैन फोल्लोविंग किसी से कम नहीं है। शाहरुख के बेटे आर्यन खान अक्सर किसी न किसी वजह से खबरों में बने रहते है। वही, लोग उन्हें फिल्मों में एक्टिंग करते देखना चाहते हैं, लेकिन अभी ये संभव नहीं है। हालांकि, आर्यन जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तो तैयार हैं, लेकिन वह कैमरे के सामने नहीं आएंगे। दरअसल, बॉलीवुड के गलियारों में चर्चा है कि आर्यन एक्टिंग नहीं बल्कि फिल्म मेकिंग में दिलचस्पी रखते हैं। शाहरुख के बेटे कैमरे के सामने काम करने के लिए एक्साइटेड नहीं हैं, इसके बजाय वह ओटीटी प्लेटफॉर्म या फीचर फिल्म के लिए स्क्रिप्ट राइटिंग करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक आर्यन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज के लिए बातचीत कर रहे हैं। वह एक फिल्म के लिए भी काम कर रहे हैं, जिसे शाहरुख खान के रेड चिली एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। अगर सबकुछ ठीक रहा तो इस साल आर्यन की वेब सीरीज फ्लोर पर आ सकती है। खास बात यह है कि शाहरुख भी वर्षों से राइटिंग में अपना प्यार दिखाते रहे हैं, और अब उनका बेटा भी पिता के नक्शे कदम पर चलने के लिए तैयार है। ये वेब सीरीज एक जबरा फैन की कहानी पर आधारित है। आर्यन इन प्रोजेक्ट्स पर बिलाल सिद्दकी के साथ उनके सह-लेखक के रुप में काम कर रहे है।

कंगना का आलिया पर तंज

एक्ट्रेस कंगना रनोट ने हाल ही में आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'गंगुबाई काठियावाड़ी' पर निशाना साथा है। कंगना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फिल्म के लिए आलिया की कास्टिंग को सबसे बड़ी गलती बताया है। इतना ही नहीं कंगना ने यह भी कहा है कि 'पापा की परी' की फिल्म फ्लॉप होगी। 'गंगुबाई काठियावाड़ी' इस शुक्रवार (25 फरवरी) को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। कंगना ने सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए इंडारेक्टली करन जौहर को मूवी माफिया डैडी और आलिया को बिम्बो कहते हुए लिखा, बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ इस शुक्रवार जलकर राख हो जाएगें.... पापा (मूवी माफिया डैडी) की परी (जो ब्रिटिश पासपोर्ट रखती है) के लिए, क्योंकि पापा प्रूव करना चाहते हैं कि रोमकोम बिम्बो एक्टिंग कर सकती है.....फिल्म का सबसे बड़ा ड्रॉ-बैक उसकी गलत कास्टिंग है.... ये नहीं सुधरेंगे, इसमें कोई शक नहीं है कि हॉलीवुड और साउथ की फिल्में ज्यादा चल रही हैं....बॉलीवुड की किस्मत में डुबना ही है जब तक मूवी माफियाओं के पास पॉवर है। एक दूसरी पोस्ट में कंगना ने संजय लीला भंसाली और अजय देवगन को करन जौहर द्वारा गुमराह करने की बात कही। कंगना ने लिखा, ₹बॉलीवुड माफिया डैडी पापा 'जो', जिसने फिल्म इंडस्ट्री का वर्क कल्चर बर्बाद कर दिया, और कई बड़े डायरेक्टर्स को मैनिपुलेट करके अपने प्रोडक्ट्स को उनके ऊपर थोप दिया, ऐसा ही एक और उदाहरण इस रिलीज के बाद जल्द ही सामने होगा....लोगों को उन्हें भाव देना बंद करने की जरुरत है।